सांध्य दैनिक
4PM
दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो। –स्वामी विवेकानंद
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 9 • अंकः 110 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 27 मई, 2023

नोट नहीं पीएम बदलने का समय आ... 2 | मोदी सरकार के नौ साल, विपक्ष... 3 | कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार.... 7

नीति आयोग पर भी झगड़ा ! कई मुख्यमंत्रियों ने किया बहिष्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन पर उठा बवाल अभी शांत नही हुआ था कुछ विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने शनिवार को नीति आयोग की बैठक शामिल न होने का फैसला करके सियासी घमासान और तेज कर दिया है। नीतिश कुमार ने जहां इस बैठक के औचित्य पर सवाल उठाया है वहीं भाजपा ने इसको लेकर कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया है।

ज्ञात हो राजधानी के प्रगति मैदान में नए कन्वेंशन सेंटर में विकसित भारत 2047 टीम इंडिया की भूमिका विषय पर नीति आयोग की 8वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक हो रही है। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी कर रहे हैं। हालांकि इस बैठक में सात राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए हैं। पीएम मोदी इस बैठक में 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की जाति का हवाला देते हुए भड़काऊ बयान देने के आरोप में शिकायत दर्ज की गई है। इन नेताओं पर आरोप है कि इन्होंने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर नए संसद भवन के उद्घाटन पर राष्ट्रपति की जाति को लेकर बयान दिया था जिसका उद्देश्य समुदायों व समूहों के बीच विद्वेष पैदा करना और भारत सरकार के खिलाफ माहौल खराब करने का प्रयास करना है। खबर है कि शिकायत दर्ज कर ली है। शिकायत में उनपर आरोप लगाया है कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की जाति का हवाला देते हुए अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अविश्वास पैदा किया है जो कि आईपीसी 121,153ए, 505 और 34 की धाराओं के तहत अपराध है।

8 मुख्यमंत्रियों ने किया है बायकॉट

नीति आयोग की बैठक और उद्घाटन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं : नीतीश कुमार

पटना। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने नीति आयोग की बैठक से भी दूरी बना ली है। शनिवार को नीतीश कुमार ने केंद्र की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग आजादी की लड़ाई के इतिहास को बदल देंगे। मुझे बहुत बुरा लग रहा है। सीएम नीतीश ने कहा कि नीति आयोग की बैठक और नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं था। नए संसद की क्या जरूरत थी। मैंने बार-बार कहा है कि सत्ता में बैठे लोग इस देश के इतिहास को बदल देंगे। इतिहास को भुला देंगे क्या। उन्होंने पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं का हवाला देते हुए बैठक में शामिल होने से मना कर दिया है। चर्चा है कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के बदले वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी को बैठक में शामिल होने के लिए अधिकृत किया है।

ये सीएम नहीं हुए शामिल

नीति आयोग की बैठक का जिन 8 मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है उनमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, तेलंगाना के सीएम केसीआर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया शामिल हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने काफी उहापोह के बाद शुक्रवार देर रात बैठक में आने का फैसला किया।

जनता का अहित कर रहे हैं विपक्षी नेता : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्षी नेता मोदी विरोध के चलते राज्य की जनता का नुकसान करने पर लगे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री जिन्होंने नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक को छोड़ने का फैसला किया है, वे अपने राज्यों के विकास का बहिष्कार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक (जीसीएम) में 100 से अधिक मुद्दों पर चर्चा होती है और जिन राज्यों का प्रतिनिधित्व नहीं होगा उसकी जनता को नुकसान होगा। रविशंकर ने कहा- नीति आयोग देश के विकास और योजनाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और इस बैठक में जो मुख्यमंत्री नहीं आए हैं वो अपने प्रदेश की जनता की आवाज यहां तक नहीं ला रहे हैं। गवर्निंग काउन्सिल की बैठक में महत्वपूर्ण चर्चा होती है, महत्वपूर्ण फैसले होते हैं और उसके बाद ये फैसले जमीन पर लागू होते हैं। बावजूद इसके भी ये मुख्यमंत्री क्यों नहीं आ रहे? मोदी विरोध में आप कहां तक जाएंगे? ये मुख्यमंत्री अपने प्रदेश की जनता का अहित क्यों कर रहे हैं?

नरसिम्हा राव के समय ही आया था प्रस्ताव : गुलाम नबी आजाद

श्रीनगर। बायकॉट को लेकर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि सभी सांसदों को नए संसद भवन के निर्माण का स्वागत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वह दिल्ली में होते तो उद्घाटन समारोह में जरूर शामिल होते। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि नए संसद भवन के निर्माण का विचार सबसे पहले पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार के समय में रखा गया था, लेकिन बाद में यह ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। कांग्रेस के पूर्व दिग्गज नेता ने कहा, यह (नए संसद भवन का निर्माण) अच्छी बात है। यह एक अच्छी संसद है। नरसिम्हा राव सरकार के दौरान भी ऐसा प्रस्ताव था, लेकिन इस पर अमल नहीं हो सका। अब जब इसका निर्माण हो गया है, तो सभी सांसदों को इसका स्वागत करना चाहिए। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। विपक्ष को रिकॉर्ड समय में नई संसद बनाने के लिए सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए, जबकि वे सरकार की आलोचना कर रहे हैं। मैं विपक्ष के इसका बहिष्कार करने के सख्त खिलाफ हूं।

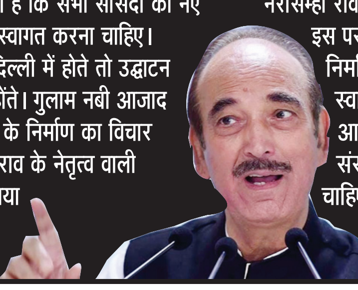

मोदी सरकार की विदाई का समय आ गया : अखिलेश यादव

» भाजपा की सत्ता का अंतिम वर्ष शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार दसवें वर्ष में नहीं, अपनी सत्ता के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर गई है। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा कि यह भाजपा सरकार से त्रस्त जनता के लिए हर्ष का विषय है। जनता ने भाजपा के लिए विदाई गीत तैयार कर लिए हैं।

उन्होंने खेलो इंडिया गेम्स को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। कहा, भाजपा सरकार ने खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा की है। इससे पहले पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ट्वीट ने ट्वीट किया है कि सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण (एक-हाथ से दूसरे हाथ में जाने) का प्रतीक है। लगता है भाजपा ने मान लिया है कि अब सत्ता सौंपने का समय आ गया है। अखिलेश यादव ने सेंगोल का साल 2024 के लोकसभा चुनाव से खास कनेक्शन भी बताया। अखिलेश यादव ने दावा किया कि अगले साल लोकसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन होगा। सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण (एक-हाथ से दूसरे हाथ में जाने) का प्रतीक हैज लगता है भाजपा ने मान लिया है कि अब सत्ता सौंपने का समय आ गया है। इससे पहले, सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने सेंगोल को राजतंत्र का प्रतीक बताया। कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश हैं, ऐसे में सेंगोल का देश की संसद में क्या काम होगा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि सेंगोल राजदंड, राजतंत्र का प्रतीक था। आज देश में लोकतंत्र है, लोकतंत्र में राजतंत्र के प्रतीक सेंगोल का क्या काम? सेंगोल के प्रति भाजपा सरकार की दीवानगी इस बात का प्रमाण है कि इसको लोकतंत्र में विश्वास नहीं है, वह लोकतंत्र से हटकर राजतंत्र के रास्ते पर जा रही है ।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर के पूर्व विधायक शारदा देवी के पति स्वर्गीय राम लखन पासवान जी को अर्पित किए श्रद्धासुमन।

खेलो इंडिया छलावा

प्रदेश में एक भी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम नहीं बनाया। अब सामने लोकसभा चुनाव देखकर खेलो इंडिया का छलावा किया जा रहा है। उन्होंने अपने शासनकाल में इकाना स्टेडियम की स्थापना सहित खेलों के प्रोत्साहन के लिए किए गए अन्य प्रयासों का भी उल्लेख किया।

स्वामी प्रसाद अखिलेश के भोंपू : केशव प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वाराणसी में नगर निगम के महापौर और पार्षद गणों के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए पहुंचे। वाराणसी के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को करारा जवाब आज सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। जिसने नए संसद भवन के उद्घाटन से संबंधित याचिका कोर्ट में डलवाई थी।

दुनिया के सबसे अच्छे संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में बाधा डालने का यह कांग्रेस का कुत्सित प्रयास है। जिसका जवाब 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता देगी। उन्होंने कहा किया पूर्ण विश्वास है कि विकास के दम पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में 80 की 80 सीटें जीतेगी। स्वामी प्रसाद मौर्य पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह अखिलेश यादव के भोंपू बनकर रह गए हैं। जो अखिलेश यादव कहते हैं वही वह बोलते हैं। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का जनाधार नहीं है उसके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है।

नोट नहीं पीएम बदलने का समय आ गया : नाना पटोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नाना पटोले में मुंबई से सटे कल्याण इलाके में एक कार्यक्रम में बोलते हुए है कि आतंकवाद, नक्सलवाद और कालाबाजारी रोकने के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी की थी। इस वजह से लोगों को लाइन में ख?ा होना प?ा था। इसमें कुछ लोगों की मौत भी हो गई थी।

अब खुद को विश्वगुरु मनाने वाले प्रधानमंत्री 500 और 2000 के नए नोट लाए और 7-8 साल में ही 2000 का नोट बंद करवा दिया। उन्हें अपनी गलती नजर आने लगी है। देश के लोग भी यह जान गए हैं। इसलिए अब वह नोट न बदलकर प्रधानमंत्री बदलेंगे।

आलाकमान से मिले पूर्व मंत्री

महाराष्ट्र कांग्रेस में अध्यक्ष नाना पटोले के खिलाफ एक बार फिर से नाराजगी के स्वर उठे हैं। नाना पटोले के खिलाफ असंतोष तीव्र हो चुका है कि उनकी शिकायत लेकर पूर्व मंत्री विजय वडेट्टीवार, आदिवासी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे और पूर्व मंत्री सुनील केदार दिल्ली दरबार पहुंच गए हैं। हालांकि, इस मुद्दे पर नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ कांग्रेसी नेता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलने दिल्ली गए हैं पर इससे क्या फर्क पता है। वहीं सियासत के जानकार कहते हैं कि महाराष्ट्र कांग्रेस में एक बड़े भूकंप के आने के संकेत मिल रहे हैं। बता दें कि पटोले के महाराष्ट्र की कमान संभालने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, विधानमंडल में पार्टी के नेता बालासाहेब थोरात जैसे कई दिग्गज नेता अलग-थलग पड़ गए हैं। कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि इन नेताओं को फिर सक्रिय करने से पार्टी को फायदा होगा।

दिग्विजय जी, लोगों को अपनाना और सम्मान देना सीखें : सिंधिया

» बोले- दुर्व्यवहार करने की पुरानी आदत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुरहानपुर। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अपनी पार्टी के ही नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ षडयंत्रकारी तरीके से पेश आने और दुर्व्यवहार करने की दिग्विजय सिंह जी की पुरानी आदत रही है। उन्हें लगता है कि सभी उनके इशारे पर रिमोट की तरह काम करेंगे।

राजासाहेब दिग्विजय जी, अहंकार त्यागें, लोगों को अपनाना और सम्मान देना सीखें। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इन दिनों निमाड़ के दौरे पर हैं। इस दौरान वह लगातार केंद्र और राज्य सरकार पर हमलावर हैं। इसी बीच बुधवार को वह प्रदेश के बुरहानपुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां वह अपनी ही पार्टी के एक मुस्लिम नेता पर भड़क गए। उन्होंने मंच से ही अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष नेता को मंच से उतरने तक का कह दिया। इतना सुनते ही मुस्लिम नेता ने भी उनसे बहस शुरू कर दी। दोनों नेताओं के बीच हुई बहस का वीडियो अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को लेकर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी ट्वीट कर दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है।

कांग्रेस के मंच पर अल्पसंख्यक का कोई स्थान नहीं : अबरार

अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष अबरार साहब ने बताया कि बुरहानपुर में बहुत समय के बाद मुस्लिम अल्पसंख्यक सबसे अधिक मात्रा में है। उन्हें इस तरह से मंच से नीचे उतारना अल्पसंख्यक समाज की बेइज्जती है। अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष ने कहा कि अल्पसंख्यक की ओर से कांग्रेस को भरपूर वोट मिलता है। उसके बाद भी कांग्रेस के मंच पर अल्पसंख्यक का कोई स्थान नहीं है। इसलिए मैं बाहर आ गया हूं। गौरतलब हो कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह बुरहानपुर पहुंचे थे। प्रोटोकॉल के तहत वर्तमान विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष और महिला प्रमुख को मंच पर बैठाया गया था। लेकिन ग्रामीण कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष और पार्षद अबरार भी मंच पर पहुंच गए।

सपा विधायक के साले को एसटीएफ ने उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एसटीएफ ने पूर्वांचल के बाहुबली सपा विधायक के साले को लखनऊ के सरोजनीनगर क्षेत्र से उठाया है। विधायक के साले के विरुद्ध नागालैंड से जारी शस्त्र रखने का आरोप है।सूत्रों का कहना है कि विधायक के साले ने लगभग 18 वर्ष पूर्व नागालैंड में शस्त्र लाइसेंस बनवाया था और असलहा लिया था। बाद में नियम विरुद्ध शस्त्र लाइसेंस को यूपी के पते पर स्थानान्तरित करा लिया गया था।

वह अवैध ढंग से नागालैंड का शस्त्र लेकर चल रहा था। एसटीएफ काफी दिनों से इस मामले की जांच कर रही है। एसटीएफ ने सरोजनीनगर क्षेत्र स्थित एक होटल से विधायक के साले को उठाया है और उससे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि उसके पास से नागालैंड से लिया गया शस्त्र भी बरामद हुआ है। विधायक व उसके साले के विरुद्ध कई मुकदमे दर्ज हैं।

सीएम आवास मामले में भाजपा-आप में बढ़ी रार

» आईएएस राजशेखर के कार्यालय से संवेदनशील फाइलें चुराने का आरोप

» आप ने टिप्पणी से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नवनिर्मित आवास पर विवाद और ज्यादा गहरा गया है। एक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भाजपा ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास के घोटाले की जांच कर रहे अधिकारी आईएएस राजशेखर के कार्यालय से संवेदनशील फाइलें चुराई जा रही हैं। इसका उद्देश्य सीएम आवास घोटाले की जांच प्रभावित करना और इस मामले का सच छुपाना है। जबकि आम आदमी पार्टी ने इस मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

आरोप है कि मुख्यमंत्री आवास विवाद में एक महिला का नाम भी सामने आ रहा है, जिसके कहने पर इमारत में कई बदलाव किए गए। इस बदलाव में 60 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया जा रहा है। यदि इन आरोपों में कोई सच्चाई सामने आती है तो इससे अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ सकती हैं। उक्त अफसर पर भी भाजपा-आप में विवाद होता रहा है। आम आदमी पार्टी सरकार ने आईएएस राजशेखर को केंद्र का आदमी मानते हुए उन्हें पद से हटा दिया था। इसके पीछे यही तर्क दिया गया था कि वे केंद्र के इशारों पर काम कर रहे थे। सर्वोच्च न्यायालय के 11 मई के निर्णय के बाद दिल्ली सरकार ने उन्हें तुरंत अपने पद से हटा दिया था।

आम आदमी पार्टी को होगा नुकसान

अरविंद केजरीवाल अपनी पार्टी के विस्तार के लिए विभिन्न राज्यों में कोशिश कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अपने विस्तार की कोशिश कर रही है और चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े चेहरे अरविंद केजरीवाल की छवि पर असर पड़ने से पार्टी की संभावनाओं पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

उपराज्यपाल से मामले की जांच कराने का अनुरोध

भाजपा के सूत्र बताते हैं कि पार्टी सीसीटीवी मामले को यहीं छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। इसके लिए उपराज्यपाल कार्यालय से मामले की जांच करने का अनुरोध किया गया है। यदि कोई कार्रवाई नहीं होती है तो भाजपा इस मामले पर दिल्ली पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करा सकती है। स्वयं अधिकारी भी इसके बाबत पुलिस से जांच कराने का अनुरोध कर सकते हैं।

मोदी सरकार के नौ साल, विपक्ष ने दागे तीखे सवाल

क्या आमजन, किसान, महिला, जवान हुए खुशहाल ?

- भाजपा-कांग्रेस में वार-पलटवार
- 2024 चुनाव के परिणाम आने तक चलेगा आरोपों का दौर
- सरकार करेगी कॉनक्लेव
- 24 के चुनाव पर नजर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार के नौ साल पूरे हो गए। देश की प्रमुख विपक्षी व पुरानी पार्टी कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार किए हैं। कांग्रेस ने भाजपा की सरकार से 9 सवाल पूछे है। कांग्रेस के सवाल पूछने के बाद भाजपा ने भी पलटवार करने में देर नहीं लगाई और उसके कार्यकाल के समय कामों को गिनाने लगी। अब चूकि 2024 के चुनाव में एक वर्ष के आस-पास समय रह गया ऐसे में अब देश के माहौल में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप दौर चलेगा। यह दौर अगले चुनाव के परिणामों के बाद ही खत्म होगा। सरकार अपने दावे कर रही है कि उसने नौ साल में देश में बहुत कुछ बदला है पर कांग्रेस ने हमला जारी करते हुए कहा नौ साल देश बहाल।

केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर विशेष कॉनक्लेव का तैयारी की जा रही है। यह कॉनक्लेव शनिवार यानी 27 मई को दिन भर चलेगा। इसमें तीन ब्रेकआउट सेशन होंगे। कॉनक्लेव में समाज के गणमान्य व्यक्ति, बॉलीवुड स्टार आदि हिस्सा लेंगे। इसका उद्घाटन सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे।

इस कॉनक्लेव में सरकार के नौ साल की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। यह कॉनक्लेव दिल्ली के विज्ञान भवन में सूचना प्रसारण मंत्रालय आयोजित करेगा और या कार्यक्रम दिन भर चलेगा। इसमें मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे, मोदी सरकार के कामकाज के बारे में चर्चा होगी।

बीजेपी इन सभी कार्यक्रमों के साथ 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर तैयारी कर रही है। मिशन यूपी के तहत राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटों को 3-5 लोकसभा सीटों के क्लस्टर में बांटा गया है। इसमें उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटें भी शामिल हैं। नेताओं को क्लस्टर की जिम्मेदारी दी गई है। ये जिम्मेदारी भी दूसरे राज्यों के नेताओं को दी गई है, नेताओं की तीन श्रेणियां बनाई गई हैं।

ये श्रेणी में राष्ट्रीय नेताओं को रखा गया है, जिसमें केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शामिल हैं। बी श्रेणी में वरिष्ठ नेता और दूसरे राज्यों के सांसद हैं, जबकि सी श्रेणी में स्थानीय नेताओं को रखा गया है। भाजपा आलाकमान में अगले आठ महीने तक जमीन पर काम करने का निर्देश दिया गया। यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि हर गांव में बीजेपी का झंडा हो। 30 मई को बीजेपी के महासंपर्क अभियान से ही इनका काम शुरू हो जाएगा। इसी तरह के क्लस्टर देश भर की लोकसभा सीटों पर बनाए गए हैं।

सवालों पर पीएम मोदी कब तोड़ेंगे चुप्पी : जयराम

मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर कांग्रेस की ओर से जयराम रमेश ने एक बुकलेट भी जारी की और कहा, हमारी पार्टी पीएम मोदी से 9 सवाल पूछ रही है, हम जानना चाहते हैं कि इन सवालों का जवाब देने के लिए वो कब चुप्पी तोड़ेंगे।

रमेश ने पूछा ऐसा क्यों है कि देश में मंहगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही है? सार्वजनिक संपत्ति आप अपने मित्रों को क्यों बेच रहे हैं? किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई? किसानों के लिए एमएसपी कानून क्यों नहीं बना?अदानी को फायदा पहुंचाने के लिए एलआईसी और एसबीआई में जमा आम लोगों का पैसा क्यों लगाया गया है? अदानी की कंपनी में 20 हजार करोड़ रुपया किसका है? पीएम जवाब क्यों नहीं देते? चीन को लाल आंख दिखाने की बात करने वाले पीएम ने चीन को क्लीन चिट क्यों दी जबकि वो हमारी जमीन पर कब्जा कर बैठा है?पीएम बताएं कि चुनावी फायदे के लिए बंटवारे की राजनीति का उपयोग किया जा रहा है और समाज में डर का माहौल बनाया जा रहा है? पीएम महिला, दलित, अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार पर चुप क्यों रहते हैं? पीएम जातीय जनगणना की मांग पर चुप क्यों हैं? संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को क्यों कमजोर किया जा रहा है? विपक्षी नेताओं को और सरकारों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है?मनरेगा जैसी योजना को क्यों कमजोर किया जा रहा है, कोरोना में कुप्रबंधन के कारण जिन 40 लाख लोगों की जान गई उनके परिवार को न्याय क्यों नहीं मिला?

कांग्रेस ने सेंगोल को वॉकिंग स्टिक समझा : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सेंगोल के विरोध को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया- कांग्रेस पार्टी भारतीय परम्पराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों करती है? पंडित नेहरू को तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ द्वारा भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में पवित्र सेंगोल दिया गया था। कांग्रेस ने इसे वॉकिंग स्टिक समझकर एक संग्रहालय में भेज दिया। कांग्रेस इतिहास को गलत बता रही है। कांग्रेस को अपनी सोच पर मंथन करने की जरूरत है।

कांग्रेस की बेशर्मी की पराकाष्ठा : रविशंकर

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस को यूपीए शासन में हुए घोटालों की याद दिलाई है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, कि कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर 9 सवाल पूछे हैं, लेकिन वो झूठ का बड़ा पुलिंदा है। ये कांग्रेस की बेशर्मी की पराकाष्ठा है। आप आलोचना कीजिए, लेकिन आलोचना में आप देश के अंदर के संकल्प को कमजोर मत कीजिए, यह बहुत बड़ा अपमान है। ये अपमान है उन लाखों सेवाकर्मियों, डॉक्टर, नर्स, सफाई कर्मचारी, एम्बुलेंस चलाने वालों का, जिन्होंने कोविड काल में देश को बचाने की कोशिश की। रविशंकर ने आगे कहा कि भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज 16 हजार करोड़ रुपये का डिफेंस एक्सपोर्ट हो रहा है। भारत मोबाइल

मैन्युफैक्चरिंग में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मैन्युफेक्चरर बन गया है। भारत में डिजिटल पेमेंट का आंकड़ा 10 बिलियन डॉलर का है। चाहे डिजिटल इंडिया हो, डिजिटल पेमेंट हो, जीएसटी, मोबाइल मैन्युफेक्चरिंग, सड़कें, एयरपोर्ट, बिजली, किसानों की बात हो, नेशनल हाईवे की बात हो, स्टार्टअप इंडिया की बात हो, आज विकास के हर क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर ये सब कांग्रेस को नहीं दिखता है, तो कोई क्या कर सकता है। कांग्रेस भ्रष्टाचार पर सवाल पूछ रही है, जिसके शासनकाल में 2प्रतिशत घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, आदर्श घोटाला, बोफोर्स, अंतरिक्ष घोटाला, हेलिकॉप्टर घोटाला जैसे... कितने बड़े-बड़े घोटाले हुए। कांग्रेस ने अपने लिए 4 सी ग्रेडिंग चुनी है- कट, कमीशन, करप्शन और कांग्रेस। यही है कांग्रेस।कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवाल पूछ रही है, वो भी चीन के संदर्भ में। कांग्रेस के मित्रों सुन लो- भारत की जमीन जो गई है, कांग्रेस की सरकार में ही गई है। आज गलवान और डोकलाम में भारत ने अपनी साख दिखाई है। ये नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाला भारत है, जिसने 300 चाइनीज एप को बंद किया। इसी तरह उरी हो या बालाकोट हो, घर में घुसकर मारा।

सेंगोल के बारे में बीजेपी फैला रही झूठ

नई संसद के इनॉगरेशन में अब 2 दिन बचे हैं, लेकिन इसे लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं। सेंगोल (राजदंड) पर भाजपा के दावों को कांग्रेस ने झूठा करार दिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ऐसा कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि सेंगोल (राजदंड) को सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर आजादी के समय नेहरू को इसे सौंपा था। इससे जुड़े सभी दावे गलत हैं। उधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेसियों ने सेंगोल को वॉकिंग स्टिक समझा और संग्रहालय में भेज दिया था। जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा है- इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि नई संसद को वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी से मिले ज्ञान से दूषित किया जा रहा है। बीजेपी-आरएसएस बिना सबूत के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। उन्होंने कहा, सेंगोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होने के कारण बीजेपी का एक बार फिर से पर्दाफाश हो गया है। यह सच है कि सेंगोल (राजदंड), जिसको तत्कालीन मद्रास प्रांत में एक सनातन समूह ने बनाया था और मद्रास में ही तैयार करने के बाद अगस्त 1947 में देश के तत्कालीन पीएम जवाहर लाल नेहरू को सौंपा गया था। लेकिन इस बात का भी कोई भी दस्तावेजी सबूत नहीं है कि माउंटबेटन, राजाजी और नेहरू ने इस राजदंड को भारत में ब्रिटिश सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक बताया हो। इससे पता चलता है कि इनके सभी दावे पूरी तरह से झूठे और बोगस हैं। हो सकता है उनको यह ज्ञान वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी से मिला हो। राजदंड को बाद में इलाहाबाद संग्रहालय में रखा गया। 14 दिसंबर, 1947 को नेहरू ने वहां जो कुछ कहा, वह सार्वजनिक रिकॉर्ड में है। भले ही उस पर लगा हुआ लेबल कुछ भी कहे। भाजपा उसका प्रचार करने वाले राजदंड का इस्तेमाल अब तमिलनाडु में अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। इन लोगों (बिग्रेड) के पास अपने हितों के लिए तथ्यों को उलझाने की विशेषज्ञता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

श्वेत क्रांति की अवहेलना अनुचित

> अबकि बार तमिलनाडु ब्रांड अवनि को लेकर वहां के सीएम ने सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपील की है कि वह अमूल को निर्देश दे कि वहा दूध समितियों से दूध न खरीदे। इस तरह के विवाद भारत के श्वेत क्रांति को धक्का पहुंचा सकते हैं। ऐसे में केंद्र व राज्य सराकारों को मिलकर कोई उपाय ढूंढना चाहिए कि विवादों पर विराम ल सके। इस बार भी विवाद अमूल को लेकर है जो पिछ्ले महीने कर्नाटक के स्थानीय ब्रांड नंदिनी के साथ चर्चा में था।

देश में दुग्ध ब्रांडों के बीच विवाद छिड़ने की खबरें आ रही हैं। सबसे ज्यादा मामले अमूल को लेकर हो रहे हैं। कर्नाटक में वहां के राज्य ब्रांड नंदिनी को लेकर तत्कालीन बीजेपी सरकार व विपक्ष में वार पलटवार चला था। अबकि बार तमिलनाडु ब्रांड अवनि को लेकर वहां के सीएम ने सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपील की है कि वह अमूल को निर्देश दे कि वहा दूध समितियों से दूध न खरीदे। इस तरह के विवाद भारत के श्वेत क्रांति को धक्का पहुंचा सकते हैं। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर कोई उपाय ढूंढना चाहिए कि विवादों पर विराम ल सके। इस बार भी विवाद अमूल को लेकर है जो पिछ्ले महीने कर्नाटक के स्थानीय ब्रांड नंदिनी के साथ चर्चा में था। अब तमिलनाडु के ब्रांड आविन के कारण गुजरात के ब्रांड अमूल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तमिलनाडु में 1981 से डेयरी सहकारी समितियां काम कर रही हैं। ये समितियां ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं को लाभान्वित करती हैं।

इस क्षेत्र में काम करने वाली आविन राज्य सरकार की सहकारी संस्था है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के अनुसार, आविन के अंतर्गत लगभग 9,673 सहकारी समितियां ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। ये समितियां लगभग 4.5 लाख सदस्यों से प्रति दिन 35 लाख लीटर दूध खरीदती हैं। आविन तमिलनाडु में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए पशु आहार, चारा, खनिज मिश्रण और पशु स्वास्थ्य देखभाल और प्रजनन सेवाओं जैसे विभिन्न संसाधन उपलब्ध कराता है। सबसे अहम विशेषता के रूप में यह देश के कुछ सबसे कम कीमतों पर उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले दूध और डेयरी उत्पाद बेचता है। इस प्रकार आविन ग्रामीण दूध उत्पादकों की आजीविका में सुधार लाने और उपभोक्ताओं की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अमूल की स्थापना 1946 में हुई थी जो भारत का सबसे बड़ा दूध ब्रांड है। 2021-22 में 18,500 से अधिक ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियों से इसकी दैनिक दूध खरीद लगभग 2.6 करोड़ लीटर प्रति दिन है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे अमूल को तत्काल प्रभाव से दक्षिणी राज्य में दूध की खरीद बंद करने का निर्देश देने का आग्रह किया। बीते दिनों देश की सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक कंपनियों में से एक अमूल और कर्नाटक के स्थानीय ब्रांड नंदिनी को लेकर विवाद की स्थिति शुरू हुई थी। दरअसल, पांच अप्रैल को गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन जो कि अपने डेयरी उत्पाद अमूल ब्रांड के अंतर्गत बेचता है, ने ट्वीट कर कर्नाटक में एंट्री की जानकारी दी थी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यूक्रेन विवाद सुलझाने में भारत से उम्मीदें

पुष्परंजन

प्रधानमंत्री मोदी से पश्चिमी देशों की उम्मीदें बढ़ गई हैं, वे चाहते हैं कि यूक्रेन मामले को सुलझाने में वो लीड लें। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से जापान में मुलाकात के बाद सबने यह राय जाहिर की थी। बाद में ऑस्ट्रेलिया के दौरे में भी इस भगीरथ प्रयास की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री मोदी के कंधे पर डाली गई है। अमेरिकन डिप्लोमेट राल्फ बंचे ने 1948-49 में अरब-इस्राइल के बीच युद्धविराम और शांतिवार्ता की पहल की थी। 1950 में बंचे को नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। 1973 में वियतनाम युद्धविराम में पहल करने वाले हेनरी किसींजर और ली डूक थो को नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। उत्तरी आयरलैंड में शांति के लिए बिटी विलियम्स और मेरीड कोलिगन्स ने 1976 में नोबेल शांति पुरस्कार साझा किये थे। उसके दो साल बाद, 1978 में मिस्र-इस्राइल युद्धविराम के वास्ते अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। अब एक काल्पनिक सवाल है कि युद्ध और शांति के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी क्या अकेले लेंगे, अथवा कोई और साझा करेगा?

इस काल्पनिक सवाल के बरक्स कई लोग यह भी पूछ सकते हैं कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर से लेकर मणिपुर तक स्थाई शांति बहाल कर दी है? 'घर का जोगी जोगडा, आन गांव का पीर' वाली लोकोक्ति के हवाले से आलोचक कह सकते हैं कि अपने घर को दुरुस्त करने के वास्ते प्रधानमंत्री मोदी पहले संजीदा हों, यूक्रेन बाद की बात है। यूक्रेन युद्ध से पहले 19 हजार भारतीय छात्र वहां के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। सब के सब लौट गये। फिर उनमें से कोई दो हजार छात्र बाड़ी पढ़ाई पूरी करने यूक्रेन के उन पश्चिमी इलाकों में लौटे, जो पूर्वी यूरोप से सटे देश हैं। 17 हजार छात्रों का करिअर कितना डिस्टर्ब हुआ, इसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता है। छात्रों से अलग, ढाई से तीन हजार भारतीय मूल के जो लोग यूक्रेन में सेटल्ड थे, उनका आशियाना-आबोदाना छिन गया।

पन्द्रह महीने होने जा रहे हैं यूक्रेन युद्ध के। आगे और कितना चलेगा, अनिश्चित है। इसका अंदाजा पुतिन क्या, पूरी दुनिया को भी नहीं था। 24 फरवरी, 2022 को पुतिन ने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान की घोषणा की थी, कालांतर में यह फुल स्केल वार में तब्दील हो गया। बीच-बीच में खबर आती रही कि पुतिन अपने ही देश में कमजोर होते गये हैं, उनसे असहमति की वजह से रूसी राजनीति में दरारें आई हैं। लेकिन जर्मन खुफिया एजेंसी बीएनडी ने इसी सोमवार को खबर दी है कि पुतिन पहले से और प्रखर व मजबूत हुए हैं। बीएनडी जर्मनी का वह खुफिया विभाग है, जिसका काम देश से बाहर की गतिविधियों पर नजर रखना है। बर्लिन के फेडरल एकेडमी फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी की एक बैठक में बीएनडी के प्रमुख ब्रूनो काल का कहना था कि रूसी सेना में रंगरूटों की बड़े पैमाने पर भर्ती हुई है। उसे देखते हुए लगता है कि रूस युद्ध को लंबा खींचने की तैयारी में है। रूस ने नये सिरे से हथियारों और गोला बारूद के जखीरे जुटा लिये हैं। 'बीएनडी' दुनिया की ऐसी खुफिया एजेंसी रही है, जिसने यूक्रेन युद्ध से 14 दिन पहले जर्मन रक्षा मंत्रालय को आगाह कर दिया था। यह दीगर है कि तमाम आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। रूसी ऊर्जा का उत्पादन और निर्यात जारी है। चीन, जर्मनी, तुर्की के बाद, भारत चौथा ऊर्जा आयातक देश बन चुका है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सेरा) के अनुसार, 'यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस ने कच्चा तेल, कोयला और गैस सप्लाई से अब तक 315 अरब डॉलर की आय अर्जित की है, जिसमें से 149 अरब डॉलर यूरोपीय देशों से है।' कहा जा सकता है कि अमेरिकी प्रतिबंध पूर्ण रूप से सफल नहीं हो पाया। बल्कि, यूक्रेन युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में लोगों के घर का बजट और बटुआ प्रभावित हुआ है। युद्ध के तुरंत बाद रूबेल को भी दुर्दिन देखने पड़े थे, मगर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज की तारीख में रूबेल

मजबूत हुआ है। जून, 2022 में ही रूबेल सात साल के उच्चतम स्तर पर चढ़ गया था। सबसे बड़ा सवाल है कि जी-20 की बैठक में प्रेसिडेंट पुतिन भारत आते हैं कि नहीं? अगर पुतिन आ गये, तो उसे भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता मानिये। फिर यह उम्मीद कर सकते हैं कि यूक्रेन विवाद शायद पीएम मोदी की पहल से सुलझे।

पीएम मोदी ऐसे नेता हैं, जिनका संवाद राष्ट्रपति जेलेंस्की और पुतिन दोनों से है। यह तय करना भी मुश्किल होता है कि पीएम मोदी पुतिन के ज्यादा करीब हैं या जो बाइडन के। विदेशी मंचों पर पीएम मोदी बाज दफा, 'जैसी बही बयार पीठ तब तैसी कीजिए' वाली मुद्रा में होते हैं। मगर, मोदी से भी अधिक करीबी कोई नेता पुतिन के हैं, तो वो हैं शी चिनफिंग। दिक्कत जो बाइडन और यूरोपीय नेताओं की है, कि वो शी से पटरी नहीं बैठा पा रहे हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझती दुनिया

ज्ञानेन्द्र रावत

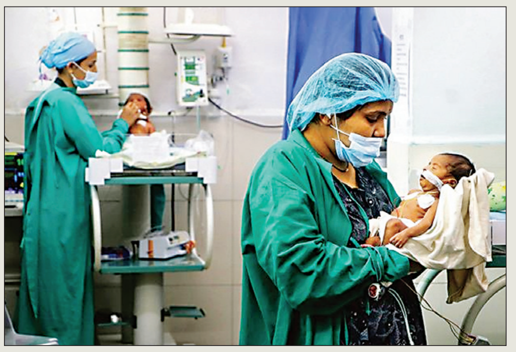

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों के बीच स्वास्थ्य सम्बन्धी असमानताएं सुधार के लाख दावों के बावजूद लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। उस स्थिति में जबकि गैर-संचारी रोग कोरोना महामारी से भी ज्यादा बड़ा खतरा बन रहे हैं। यही नहीं, विश्व सांख्यिकी रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति भी सचेत किया गया है। संगठन के मुताबिक भावी पीढ़ियों के लिए गैर-संचारी रोगों का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। हर साल दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों की जान इसके चलते चली जाती है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो सदी के मध्य तक यह आंकड़ा हर साल नौ करोड़ को पार कर जायेगा।

वर्ष 2019 के बाद से गैर-संचारी रोगों के मामलों में 90 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसमें हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर आदि रोग शामिल हैं। इसके पीछे के कारणों में तम्बाकू और शराब के सेवन में बढ़ोतरी, गंदा पानी पीने की मजबूरी, सफाई की कमी, वायु प्रदूषण और तेजी से बढ़ रहा मोटापा अहम है। जहां तक संक्रामक रोगों का सवाल है, ये एक हद तक हमारे हाथ में नहीं हैं। जबकि यह सच है कि एक समय संक्रामक रोगों पर नियंत्रण था। लेकिन ये रोगाणुरोधी प्रतिरोध के चलते बढ़ सकते हैं। इसलिए संक्रामक रोगों से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखना बेहद जरूरी है। यदि इस दिशा में कारगर प्रयास नहीं किए गये तो दुनिया में सहस्राब्दी के बाद से अब तक स्वास्थ्य क्षेत्र में जो उल्लेखनीय प्रगति हुई, वह बेमानी हो जायेगी। अब वायु प्रदूषण को ही लें, जो मानव स्वास्थ्य के लिए भीषण खतरा बन चुका है। लैंसेट प्लेनेटरी हैल्थ जर्नल में प्रकाशित आस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के मुताबिक दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित वायु गुणवत्ता दिशा निर्देशों की तुलना में वार्षिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता अधिक है। हाल के अनुमानों के अनुसार 2019 में वायु प्रदूषण से दुनिया में कम से कम 70 लाख लोगों की मौत हुई।

अध्ययन के अनुसार छोटे वायु कण जो 2.5 माइक्रोन या उससे कम चौड़ाई में होते हैं, मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे जहरीले वायु प्रदूषकों में से एक होते हैं। इनको पीएम 2.5 के रूप में जाना जाता है। छोटे वायु प्रदूषक तत्व सिर के बाल की चौथाई के एक-तिहाई हिस्सा होते हैं। यह हमारे फेफड़ों में पहुंच सांस लेने में समस्या पैदा करते हैं। ये हृदय रोग, फेफड़े सहित कैंसर आदि बीमारियों के कारण बन रहे हैं। दुनियाभर में एक साल के करीब 70 फीसदी दिनों में लोगों को खतरनाक स्तर पर प्रदूषण झेलना पड़ रहा है। दरअसल वायु प्रदूषण हृदय रोग, कैंसर और फेफड़ों पर ही असर नहीं कर रहा, यह रजोनिवृत्ति वाली महिलाओं में हड्डियों का क्षरण करता है। इससे अल्जाइमर का जोखिम बड़ता है और अजन्मे बच्चों पर भी बुरा असर डालता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार हवा में नाइट्रिक आक्साइड जैसे प्रदूषकों का स्तर बढ़ने से रजोनिवृत्ति वाली महिलाओं में हड्डियों के क्षरण की गति तेज हो जाती है। इस प्रदूषक का सबसे ज्यादा असर यह कि मेरुदंड के निचले हिस्से में हड्डियों के क्षरण की गति सामान्य एजिंग से होने वाले क्षरण की तुलना में दोगुनी हो जाती है।

इसके साथ याददाश्त खोना व संज्ञानात्मक गिरावट का संबंध अल्जाइमर की शुरुआत का संकेत है। अध्ययन बताते हैं कि हमारे आसपास की हवा में विषाक्त पदार्थों का प्रसार न केवल दुनिया के स्तर पर ब? रहा है बल्कि यह हमारे घर तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि अल्जाइमर रोग बुजुर्गों में डिमेंशिया का सबसे आम कारण है। इसमें दो राय नहीं कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्राकृतिक आपदाएं लाखों लोगों का विस्थापन तो कर ही रही हैं, वहीं इसके कारण बिगड़ता पर्यावरण स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव डाल रहा है। दुनिया में आने से पहले ही बच्चों की सेहत पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और नवजात शिशु तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार मीथेन और ब्लैक कार्बन से न सिर्फ हवा खराब हो रही है बल्कि इससे नवजातों की मौत के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। साल 2020 में दुनियाभर में तकरीब 20 फीसदी नवजात शिशु की मौत का कारण वायु प्रदूषण ही था। प्रसव काल के दौरान जलवायु परिवर्तन का हानिकारक प्रभाव पड़ता है। यह जन्म से पहले के खतरे को बढ़ाता है। ठीक उसी तरह जैसे जीवाश्म ईंधन जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण दमा रोग वाली माताओं में खतरे को 52 फीसदी तक बढ़ा देता है। बता दें कि अब तो कस्बे और गांव भी वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च के वैज्ञानिकों का कहना है कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में वायु प्रदूषण पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। लेकिन हरित विकास जैसे कार्य से इसको कुछ कम जरूर किया जा सकता है।

इसी बीच दुनिया में बाल मृत्यु दर आधी रह जाना, मातृ मृत्यु दर एक-तिहाई घट जाना, गैर संचारी रोगों से होने वाली मौतों में कमी और मलेरिया, टीबी जैसे रोगों में कमी के साथ वैश्विक जीवन प्रत्याशा का बढ़ना आशा के बिंदु हैं। लेकिन 2015 के बाद से स्वास्थ्य सेवाओं में विकास की गति का थमना चिंता का विषय है। दुनिया में 99 फीसदी आबादी अस्वास्थ्यकर हालात में जीने को विवश है। जाहिर है स्वास्थ्य मद में जितनी बढ़ोतरी होनी चाहिए थी, उसमें कमी आयी है। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की आशा तभी की जा सकती है जबकि स्वास्थ्य मद में कटौती न हो।

ब्लड प्रेशर में इन योगासनों से मिलेगा लाभ

हृदय रोगों के प्रमुख कारकों में से एक हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। उच्च रक्तचाप के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उच्च रक्तचाप रोगियों को हृदय रोग व स्ट्रोक का खतरा अधिक होता है। हालांकि उच्च रक्तचाप की शुरुआती स्थिति का कोई खास लक्षण नजर नहीं आता है। लेकिन जीवनशैली में गलत आदतों के कारण हाई ब्लड प्रेशर की स्थिति गंभीर होने लगती है। गड़बड़ लाइफस्टाइल, पौष्टिक आहार की पूर्ति न होने, धूम्रपान, मोटापा, तनाव या पारिवारिक इतिहास के कारण लोगों में हाइपरटेंशन की समस्या अधिक देखने को मिलती है। हाई ब्लड प्रेशर को काबू में करने के लिए दवाइयों से ज्यादा दूसरे वैकल्पिक उपायों पर ध्यान देना चाहिए। नियमित योगासनों का अभ्यास भी उच्च रक्त चाप की समस्या को नियंत्रित कर सकता है। योग शरीर को फिट और मस्तिष्क को शांत करने में सहायक है। योग से कई तरह की बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। ऐसे में अगर आपका ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ जाता है, तो इसे नियंत्रण में रखने के लिए कुछ योगासनों के अभ्यास को जीवनशैली में शामिल करें।

ब्लड प्रेशर क्यों बढ़ता है?

ब्लड प्रेशर बढ़ने की मुख्य वजह ,ब्लड का गाढ़ापन ज्यादा होना और धमनियों की आंतरिक सतह पर कोलोस्ट्रोल जमा होने से धमनियों सिकुड़ जाती है इसकी वजह से हृदय/हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा प्रेशर लगना पड़ता है 7 इस स्थिति मे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। धूम्रपान करना और मोटापा होना हाई ब्लड प्रेशर 160 ओवर 110 होने के सबसे बड़ी वजह है। ज्यादा नमक और मसालेदार भोजन का निरंतर सेवन से धमनियों मे कोलोस्ट्रोल जमा हो जाता है जिससे ब्लड को पंप करने के लिए हार्ट को ज्यादा प्रेशर लगाना पड़ता है। अनावश्यक तनाव, अनिद्रा और चिंता उच्च रक्तचाप के लक्षण है। शारीरिक और मानसिक व्यायाम ना करके हम हर दिन ब्लड प्रेशर को बढ़ने का न्योता देते है। उम्र बढ़ने के साथ हार्ट/हृदय की कार्यक्षमता कम हो जाती है।

बालासन का अभ्यास

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बालासन का नियमित अभ्यास करना चाहिए। उच्च रक्तचाप के कारकों से राहत दिलाने में यह आसन असरदार है। बालासन के अभ्यास से तनाव कम होता है और पूरे शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार होता है।

सुखासन योग

सुखासन योग का अभ्यास श्वास को नियंत्रित करता है और मन को स्थिर बनाने व रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक है। इस आसन से तनाव कम करके उच्च रक्तचाप से राहत मिलती है। इसके अलावा पीठ व गर्दन की स्ट्रेचिंग के साथ ही शरीर की मुद्रा में सुधार करने के लिए सुखासन के अभ्यास की आदत डालें। किसी भी आयु वर्ग के लोग इस योग का अभ्यास कर सकते हैं।

भुजंगासन या कोबरा पोज

उच्च रक्तचाप की समस्या से परेशान लोगों के लिए भुजंगासन का अभ्यास लाभकारी है। इस आसन से रक्त और ऑक्सीजन के संचार को बढ़ावा मिलता है, साथ ही तनाव से छुटकारा मिलता है। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नियमित भुजंगासन का अभ्यास करें। अस्थमा के मरीजों की जटिलताओं को कम करने मे भी भुजंगासन असरदार है।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पड़ोसी- यार तेरे घर से रोज हंसी की आवाज आती है। इस खुशहाल जिंदगी का राज क्या है? पप्पू - वो क्या है ना कि मेरी बीवी रोज मुझे जूतों से मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और ना लगे तो मैं हंसता हूं! बस ऐसे ही हंसी-खुशी जिंदगी गुजर रही है...!!! पड़ोसी बेहोश...

पप्पू- भाई तुम्हारे हाथ-पैर कैसे टूट गए? गप्पू- लड़की का फोन रिचार्ज कराने के चक्कर में... पप्पू- क्यों भाई? रिचार्ज के पैसे नहीं दिए क्या? गप्पू- अरे भाई जिस दुकान पे रिचार्ज कराने गया था, वो दुकानदार, लड़की का भाई निकला!

लड़का लड़की होटल में गए... वेटर- मैम आप क्या लेंगी? लड़की- मिर्च वाला, घेवर! वेटर- क्या? लड़की- बोला न मिर्च वाला घेवर! वेटर (हैरानी से) - क्या? लड़का- अरे भाई गांव की है, तू टेंशन मत ले, पिज्जा मांग रही है!

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा रहा करता था। उसके पास कई सारी भेड़ थीं, जिन्हें चराने वह पास के जंगल में जाया करता था। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। उसकी आवाज़ सुन कर गांव वालें लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। जैसे ही गांव वालें वहां पहुंचे, उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। हाहाहा, बड़ा मजा आया। मैं तो मजाक कर रहा था। कैसे दौड़ते-दौड़ते आए हो सब, हाहाहा। गांव वालों का चेहरा गुस्से से लाल-पीला होने लगा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? ऐसा कह कर सभी लोग वापस अपने अपने काम की ओर लौट गए। कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज़ सुनी। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, बचाओ। यह सुनते ही, वो फिर से चरवाहे की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। दौड़ते-आवाज गांव वालें वहां पहुंचे, तो देखा कि चरवाहा अपनी भेड़ों के साथ आराम से खड़ा है और गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों को और गुस्सा आया। उन सभी ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। उसने फिर दो-तीन बार ऐसा ही किया और मजाक में चिल्लाते हुए गांव वालों को इकट्ठा कर लिया। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वालें अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वालें नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वालें उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से मांफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे मॉफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

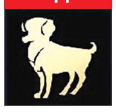

पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

धनु

राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

कर्क

धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

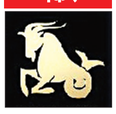

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

सिंह

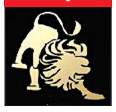

किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कुम्भ

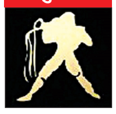

चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

कन्या

शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

मीन

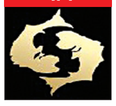

कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टर्स पर्दे पर जीते हैं कई जिंदगी : बिग बी

अमिताभ बच्चन ने एक बार फिल्मों में दृश्यों का अभिनय करते समय अभिनेताओं की मानसिक स्थिति पर विचार किया था। बिग बी ने माता-पिता की मौत के दृश्य को एक बार नहीं, बल्कि कई बार उसके दर्द से गुजरने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अभिनेता एक फिल्म में एक अनुभव से गुजरते हैं, जो आप में से अधिकांश जीवन में एक बार गुजरते हैं। मान लीजिए माता-पिता की मृत्यु। आप में से अधिकांश, भगवान न करे, एक बार उस अनुभव से गुजरे होंगे हमें कम से कम 10 या 12 बार उस अनुभव से गुजरना पड़ा है अभिनेता को एक पुरानी विलप में कहते सुना जाता है। उन्होंने कहा कि दृश्य में वास्तविकता लाने के लिए अभिनेता कभी-कभी यह कल्पना करना पसंद करते हैं कि यह वास्तव में हमारे साथ हो रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया, उस पल के लिए, हम वास्तव में उस प्रक्रिया से गुजरते हैं और हमारे अंदर जो कुछ भी है उसे छोड़ देते हैं। हमारे लिए ऐसा करते रहना, एक के बाद एक फिल्म, 12-15 बार, कभी-कभी बहुत दर्दनाक अनुभव होता है, लेकिन क्योंकि आप एक पेशेवर हैं और आपको ऐसा करना आपके लिए आवश्यक है, आप इसे करते हैं। पर्दे पर कई बार माता-पिता की मौत का सीन करने के बाद अमिताभ बच्चन भी अपने इमोशन्स को लेकर चिंतित हो गए कि असल जिंदगी में वो पल कब आएगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि असल चीज मेरे साथ कब होती है, वह कौन सा इमोशन है जिससे मैं गुजरूंगा, क्या यह असली होगा या वह जिसे मैंने अपने एक दृश्य के अभिनय के दौरान पहले ही खर्च कर दिया है और खो दिया है। यह एक डरावना अहसास है। सिर्फ दुख भरे सीन ही नहीं अमिताभ बच्चन ने कहा कि रोमांटिक और कॉमेडी सीन करते समय भी अभिनेताओं के साथ ऐसा होता है। मुझे लगता है कि ज्यादातर अभिनेता कई बार इससे गुजरते हैं और वे अपनी बहुत सारी भावनाओं को खर्च करते हैं जो अंदर होने वाली होती हैं।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल

ट्रेलर रिलीज होते ही मचा बवाल

सुदीप्तो सेन की कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुई द केरल स्टोरी पर खूब बवाल देखने को मिला। खासतौर पर पश्चिम बंगाल में इसका जमकर विरोध किया गया। यहां तक की राज्य में इसे बैन तक कर दिया गया। अब ऐसी ही एक सच्ची कहानी लेकर हाजिर हो गए हैं सनोज मिश्रा। द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल के टाइटल बन रही इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे पर अब खूब हंगामा मच गया है। वहीं, डायरेक्टर कानूनी पचड़ों में भी फंसे नजर आने लगे हैं। बंगाल पुलिस ने फिल्म के डायरेक्टर और मेकर्स पर राज्य को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अब एक लीगल नोटिस जारी कर दिया है। बता दें कि फिल्म के ट्रेलर से ही

यह बात साफ हो रही है कि इसकी कहानी कट्टरपंथी संगठन रोहिंग्या मुस्लिमों पर आधारित है। वसीम रिजवी फिल्म्स प्रेजेंट्स 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' को जितेंद्र नारायण सिंह प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की कहानी और निर्देशन की कमान सनोज मिश्रा ने संभाली है।

नागेश लड़ाई लड़ने को तैयार

दूसरी ओर सनोज मिश्रा भी इस लड़ाई के लिए लगता है कि पहले ही तैयार हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके वकील नागेश मिश्रा का कहना है कि FIR दर्ज हुआ है तो हम भी इस लीगल लड़ाई को जरूर लड़ेंगे। अब वक्त के साथ ही पता चलेगा कि फिल्म का आगे क्या होने वाला है।

डायरेक्टर पर लगीं ये धाराएं

अब इसी मामले में सनोज मिश्रा को CRPC की धारा 41 A के तहत नोटिस जारी किया गया है और AMHERST पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। डायरेक्टर को 30 मई को 12 बजे पुलिस अधिकारी सुभाब्रता कर के समक्ष पेश होना होगा। इस फिल्म को लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस ने डायरेक्टर पर IPC की धारा 120(B), 153A, 501, 504, 505, 295 A और IT एक्ट की धारा 66D, 84B और सिनेमेटोग्राफी एक्ट की धारा 7 के तहत FIR दर्ज कर ली है।

कमांडो 4 में गुण्डों का सफाया करेंगी अदा शर्मा

भोजपुरी | मसाला

अदा शर्मा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही रिलीज हुई उनकी फिल्म द केरल स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म 200 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है और तेजी से 250 करोड़ की ओर बढ़ रही है। इसके साथ ही यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी फिल्म बन चुकी है। इस बीच फिल्म की अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आगामी फिल्म के बारे में खुलासा कर दिया है।

पिंकविला के साथ एक विशेष बातचीत में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह कमांडो 4 की पहले ही शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, मैं कमांडो में काम कर रही हूं। फिल्म में मैं फिर से भावना रेड्डी की भूमिका निभा रहा हूं। लोगों को इसमें अधिक एक्शन और ज्यादा कॉमेडी देखने को मिलेगी। इसमें मेरी भूमिका कमांडो की तरह ही है।

उन्होंने आगे कहा, उसके बाद मुझे नहीं पता, मुझे आशा है कि वे मुझे कुछ और अच्छा करने के लिए देंगे। आगने उन्हें निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें भावना रेड्डी का रोल निभाने का मौका दिया और उसके बाद द केरल स्टोरी में भी काम करने का मौका दिया। दोनों ही फिल्में काफी अलग है। कमांडो में मैं गुंडों को मार रही हूं और द केरल स्टोरी में मुझे पीटा जा रहा है। एक एक्टर के तौर पर आपको बहुत अच्छा लगता है अगर कोई ऐसा करने के लिए आप पर भरोसा करता है।

विद्युत जामवाल के साथ कमांडो 4 में नजर आने पर अदा शर्मा ने आगे कहा कि वह अभी इस फिल्म के बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती हैं। उन्होंने कहा, फिल्म में बहुत सारा एक्शन हैं। इसमें हमारे पास फिर से एंडी लॉन्ग हैं, जो जैकी चैन के स्टंट निर्देशक हैं, इस वजह से फिल्म में एक्शन भी काफी कूल होने वाला है।

अजब-गजब | इस मिठाई की दुकान पर खुद भोग लेने गये थे भगवान

इस मंदिर से रात में गायब हो जाते थे द्वारकाधीश

मध्य प्रदेश ही नहीं देशभर में स्वर्ण आभूषणों के लिए ख्यात द्वारिकाधीश मंदिर में दूर-दूर से लोग दर्शन करने आते हैं। यह मंदिर 300 साल से ज्यादा पुराना है। माना जाता है कि जो भक्त गुजरात के द्वारिकाधीश मंदिर नहीं पहुंच पाते वे यहां आकर भगवान के दर्शन करते हैं तो उनकी प्रार्थना स्वीकार होती है। द्वारिकाधीश मंदिर के चमत्कारों को आज भी रतलाम के रहवासी बहुत विश्वास के साथ बताते हैं। इस मंदिर का निर्माण काशीराम पालीवाल द्वारा करवाया गया था। स्थानीय निवासियों के मुताबिक मंदिर में भगवान द्वारिकाधीश की प्रतिमा रात को गायब हो जाती थी। प्रभु की पूजा-अर्चना के बाद उनके शयन के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते थे, लेकिन सुबह उठकर देखते तो प्रतिमा गायब हो जाती थी। जब पता किया जाता तो मूर्ति उसी संत के पास मिलती थी, जहां से इसे लाया गया था।

भगवान को बांधने का यह मिला दंड

काशीराम पालीवाल के सदस्य बताते हैं कि जब मूर्ति बार-बार गायब होने लगी और संत के पास पहुंच जाती तो काशीराम पालीवाल ने तय किया कि प्रतिमा को अभिमंत्रित करवाकर भगवान को यहीं रोका जाए। उन्होंने अभिमंत्रों के द्वारा भगवान की प्रतिमा को रोक दिया। इस बात से भगवान नाराज हो गए। उन्होंने काशीराम को श्राप दिया कि तुमने ऐसा कर तो दिया लेकिन इसका दंड मिलेगा।

काशीराम को भगवान ने स्वप्न में कहा कि पांच पीढ़ी तक तुम्हारा वंश आगे नहीं बढ़ेगा। इस पर भक्त काशीराम ने श्राप को सहर्ष स्वीकार करते हुआ कहा कि आपका निर्णय मंजूर है, लेकिन हम यहीं आपकी सेवा करते रहेंगे। हुआ भी ऐसा ही। काशीराम पालीवाल परिवार में पांच पीढ़ी तक कोई वंशज नहीं हुआ। वर्षों बाद उनकी बेटी के परिवार में एक पुत्र ने जन्म लिया। इससे पहले गोदित बच्चे ही परिवार और मंदिर की सेवा करते रहे।

दुकान से भोग लेकर आए

रतलाम के इस मंदिर से जुड़ा एक और चमत्कार सुनने को मिलता है। भगवान द्वारिकाधीश को कलीराम बा की मिठाई दुकान से रोज पेड़े का भोग मंदिर जाता था। एक बार पेड़े का वह भोग मंदिर नहीं पहुंच सका तो भगवान ने वेष बदलकर मिठाई की दुकान से पेड़े ले लिए। जब दुकानदार ने उनसे पैसे मांगे तो उनके पास पैसे नहीं थे, लेकिन उन्होंने हलवाई को अपने सोने के कंगन दे दिए। यह बात स्वप्न में भगवान ने काशीराम पालीवाल को बताई। अगले दिन प्रतिमा से कंगन गायब होने से हड़कंप मच गया। तब काशीराम पालीवाल ने बताया कि भगवान के कंगन हलवाई कलीराम बा की दुकान पर मिलेंगे। लोग वहां पहुंचे तो कंगन हलवाई की दुकान पर मिल गए। इसके बाद से जब तक वह दुकान बंद नहीं हो गई तब तक भगवान के लिए भोग वहीं से मंदिर ले जाया जाता रहा।

सात द्वार के बाद स्थापित है प्रतिमा

स्वर्णनगरी रतलाम में भगवान द्वारिकाधीश की प्रतिमा ठीक उसी तरह स्थापित है जैसी गुजरात के द्वारिका मंदिर में। यहां भी द्वारिका की तरह भगवान के दर्शन करने के लिए सात द्वार पार करके जाना पड़ता है। भगवान के चमत्कारों पर आज भी लोग भरोसा करते हैं और कहते हैं यहां आकर मांगी गई मन्नत पूरी होती है।

वो मंदिर, जहां प्रसाद में चढ़ाई जाती है चाय, भोग पीने दूर-दूर से आते हैं लोग

भारत में जिस भी जगह चले जाएं, वहां कोई ना कोई प्रसिद्ध मंदिर आपको मिल ही जाएगा। कहीं किसी भगवान ने दर्शन दिए होते हैं, कहीं भगवान ठहरे होते हैं। अलग-अलग मान्यताओं के हिसाब से मंदिर की महिमा दूर-दूर तक फैली होती है। हर मंदिर की अपनी एक अलग कहानी है। इन मंदिरों में लोग बड़ी आस्था के साथ आते हैं। कई मंदिर तो अपने प्रसाद की वजह से भी मशहूर होते हैं। इन मंदिरों में बेहद यूनिक बांटे जाते हैं। आपने ऐसे कई मंदिर के बारे में सुना होगा जहां नूडल्स और चॉकलेट का प्रसाद चढ़ाया जाता है। लेकिन केरल के कन्नौर में एक मंदिर है, जहां के भगवान को चाय का भोग चढ़ाया जाता है। इस मंदिर का नाम है मुथप्पन टेंपल। ये मंदिर अपनी भव्यता और खूबसूरत नजारे की वजह से मशहूर है। इस मंदिर के बेहद निराले परंपरा की वजह से इसकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक है। लेकिन सबसे ज्यादा मशहूर ये अपने प्रसाद की वजह से है। ये मंदिर वालपट्टनम नदी के किनारे बना है। इस मंदिर में भगवान मुथप्पन की पूजा की जाती है। ये लोक देव हैं और इन्हें भगवान विष्णु और शिव का अवतार माना जाता है। यहां भगवान को प्रसाद के तौर पर साबुत मूंग दाल की चाट और चाय चढ़ाया जाता है। दर्शन के बाद भक्तों में यही प्रसाद बांटा जाता है। लोग दूर-दूर से इस प्रसाद को खाने के लिए आते हैं। इसका स्वाद बेहद यूनिक होता है। हर दिन मंदिर परिसर में सैंकड़ों लीटर दूध की चाय बनाई जाती है। ओस मंदिर में आने वाले भक्तों को कई तरह की सुविधाएं दी जाती है। मंदिर के सारे भक्तों को यहां मुफ्त में रहने के लिए जगह दी जाती है। लोग दूर दूर से इस मंदिर में आते हैं। ऐसे में बाहर रहने की जगह वो मंदिर परिसर में बने कमरों में ठहर सकते हैं। मंदिर एक अन्य कारण से भी मशहूर है। इस मंदिर में भगवान को खुश करने के लिए एक तरह के नाच का आयोजन होता है। इसे थियम कहते हैं। इसे देखने के लिए भी लोग आते हैं। लेकिन हर चीज पर भारी पड़ती है इस मंदिर की चाय। इस चाय का स्वाद बेहद अनोखा होता है। इस चाय की चुस्की के लिए मंदिर में लोगों की भीड़ उमड़ती है।

कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार, 24 मंत्रियों ने ली शपथ

छह लिंगायत, चार वोक्कालिगा विधायक मंत्री, शेट्टार-सावदी को नहीं मिली जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार को 24 मंत्रियों के लिए नामों को अंतिम रूप देते हुए कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया पूरी कर ली। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी, जिन्होंने भाजपा से कांग्रेस में शामिल होने और लिंगायत वोट बैंक को झुकाने में मदद की, को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई। मंत्रियों की सूची राजभवन भेज दी गई है। शपथग्रहण समारोह आज सुबह 11 बजकर 45 मिनट पर हुआ।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नामधारी रेड्डी समुदाय से गडग जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एच. के. पाटिल, बेंगलुरु में हेब्बल सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कृष्णा बायरे गौड़ा, मांड्या जिले से एन. चेलुवारायस्वामी, मैसूरु जिले से के. वेंकटेश और चिक्कबल्लपुरा जिले से डॉ. एम.सी. सुधाकर को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। सभी वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। तीन विधायक अनुसूचित जाति से, दो अनुसूचित जनजाति से और पांच अन्य पिछड़े समुदाय कुरुबा, राजू, मराठा, एडिगा और मोगावीरा से हैं। ओल्ड मैसूर और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र से सात-सात मंत्री, कित्तूर कर्नाटक क्षेत्र से छह और मध्य कर्नाटक से दो मंत्री हैं। बीदर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ईश्वर खंड्रे, यादगीर से शरणबसप्पा दर्शनपुर, विजयपुरा से शिवानंद पाटिल, दावणगेरे से एसएस मल्लिकार्जुन और बेलगावी से लक्ष्मी हेब्बलकर लिंगायत समुदाय से मंत्री बनाए गए हैं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के दाहिने हाथ डॉ. एच.सी. महादेवप्पा मैसूरु जिले से, बागलकोट जिले से आर. बी. थिम्मापुर और कोप्पल जिले से शिवराज तंगादगी को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। सभी अनुसूचित जाति से हैं। तुमकुरु जिले से के. एन. राजन्ना और सिद्दरमैया के कट्टर अनुयायी व बेल्लारी जिले से विधायक बी. नागेंद्र को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। दोनों अनुसूचित जनजाति से हैं। बेंगलुरु में गांधीनगर सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले 6 बार के विधायक और पूर्व राज्य प्रमुख दिनेश गुंडू राव को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। वह ब्राह्मण समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं उत्तर कन्नड़ जिले के मोगावीरा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मंकल वैद्य को दिग्गज कांग्रेसी नेता आर. वी. देशपांडे पर तरजीह दी गई है। मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले बीदर के एक वरिष्ठ कांग्रेसी रहीम खान को कैबिनेट में शामिल किया गया है।

मंत्रिमंडल में सभी जातियों को समायोजित करने की कोशिश

दूसरी सूची में छह लिंगायत, चार वोक्कालिगा, पांच ओबीसी, तीन एससी, दो एसटी के साथ ब्राह्मण, मुस्लिम, जैन और रेड्डी समुदाय से एक-एक विधायक को कैबिनेट में जगह दी गई है। लिंगायत समुदाय की सभी उप-जातियों को ध्यान में रखा गया है और आठ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। वोक्कालिगाओं को डिप्टी सीएम के पद सहित पांच स्थान मिले हैं। वहीं, दलितों को नौ कैबिनेट सीट मिली है।

दिल्ली में मंत्रियों की सूची को दिया गया अंतिम रूप

बता दें, सिद्दरमैया और शिवकुमार दोनों पिछले तीन दिनों से दिल्ली में थे और उन्होंने पार्टी नेतृत्व के साथ कई दौर की चर्चा की थी। सिद्दरमैया, शिवकुमार और कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला सहित शीर्ष केंद्रीय नेताओं के बीच घंटों की गहन चर्चा के बाद 24 विधायकों के नाम तय किए गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने सूची को अंतिम रूप दिया।

नंगे पांव अकेले पैदल यात्रा करेंगे अमिताभ ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कल लखनऊ पुलिस द्वारा आजाद अधिकार सेना की आज होने वाली शांति यात्रा को जानबूझकर अनुमति नहीं देने के विरोध में राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर नंगे पांव हजरतगंज चौराहे से प्रेस क्लब तक पैदल जाएंगे।

अमिताभ ठाकुर पुलिस द्वारा अनुमति आदेश की प्रति तक घंटों प्रदान नहीं करने का भी आरोप लगाया है। उसके विरोध में भी पार्टी की ओर से 12:30 बजे अकेले हजरतगंज चौराहे जाएंगे, जहां महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद वह लखनऊ पुलिस के कृत्यों के विरोध में अकेले पैदल मार्च करेंगे। उसके बाद 2: 00 बजे से पार्टी की मीटिंग होगी।

आंधी-बारिश से जलमग्न हुई राजधानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर व पश्चिमी यूपी के कुछ क्षेत्रों में बारिश हो रही है। बिजली चमक रही है और साथ ही तेज हवाएं भी चल रही हैं। आंधी-बारिश और गहरे बादलों के कारण सड़कों पर दृश्यता भी कम है। आंधी और तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश से उड़ानें भी प्रभावित होने की खबर है। मौसम विभाग ने शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं आंशिक रुप से बादल छाए रहेंगे और एक दो स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।

बीते कई दिनों से दिल्ली-एनसीआर के लोग गर्मी के कारण परेशान थे। बीते कुछ दिन दिल्ली के कई इलाकों में पारा 45 के पार तक रहा। आज हुई बारिश ने मौसम पर बदल दिया है। इससे तापमान में अच्छी खासी कमी आने की उम्मीद है और साथ ही अगले कुछ दिन के लिए भी मौसम विभाग ने रुक-रुक कर बारिश और बादल बने रहने का अनुमान व्यक्त किया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण मई के महीने के बचे हुए पांच दिन सुहावने ही बीतेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण अभी अगले दो से तीन दिन दिल्ली एनसीआर और उसके आसपास रुक-रुक के हल्की बारिश व हवाएं चलने का अनुमान है। सोमवार और मंगलवार को दिल्ली के कुछ हिस्सों में लू चली। 22 मई को अधिकतम तापमान 43.7 और 23 मई को न्यूनतम तापमान 43.5 दर्ज हुआ था। वहीं कुछ इलाकों में तापमान 46 डिग्री तक पहुंच गया था। लेकिन 23 मई रात से मौसम ने करवट ले ली। उसके बाद से मौसम सुहावना ही बना हुआ है।

उड़ानें भी प्रभावित

एयरपोर्ट अधिकारी ने जानकारी दी है कि खराब मौसम की वजह से आज सुबह कुल चार उड़ानें जयपुर डायवर्ट की गईं। सभी उड़ानें अलग-अलग शहरों से दिल्ली आ रही थीं।

न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव हिमाचल के मुख्य न्यायाधीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार के विशेष सचिव राजिंद्र कश्यप ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। न्यायमूर्ति रामचंद्र राव का जन्म सात अगस्त, 1966 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने एलएलबी की उपाधि उस्मानिया विश्वविद्यालय से 1989 में की थी। इसके बाद कैंब्रिज विश्वविद्यालय से एलएलएम की उपाधि प्राप्त की हुई है।

न्यायमूर्ति रामचंद्र राव को 29 जून, 2012 को कालेजियम ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया था। आंध्र प्रदेश का विभाजन होने पर उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट का विकल्प चुना था। 12 अक्टूबर, 2021 को उनका तबादला पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट में किया गया था। न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने से पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में वकालत भी की। सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने न्यायमूर्ति अमजद ए सईद की सेवानिवृत्ति के बाद हिमाचल हाई कोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति करने की सिफारिश की थी। वर्तमान में न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान बतौर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सेवाएं दे रहे हैं।

गिल की तूफानी पारी में उड़ी मुंबई

» गुजरात टाइटंस दूसरी बार फाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस को 62 रन से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली है। 28 मई को अहदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अब गुजरात टाइटंस का सामना चेन्नई सुपरकिंग्स से होगा। बता दें कि साल 2022 में गुजरात टाइटंस ने पहले क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को हराकर फाइनल में जगह बना ली थी, लेकिन इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स ने गुजरात के लिए फाइनल तक पहुंचने का सफर थोड़ा मुश्किल कर दिया था। इस सीजन हुए पहले क्वालीफायर मैच में चेन्नई ने शिकस्त दे दी।

हालांकि,5 बार की आईपीएल विजेता को हराकर गुजरात ने साबित कर दिया कि इस लीग में वो सबसे मजबूत टीमों में से एक है। आईपीएल 2022 की बात करें तो इस सीजन की शुरुआत से पहले चोटिल हार्दिक पांड्या को लेकर कई लोगों का मानना था कि वो एक सफल कप्तान नहीं बन सकते लेकिन, हार्दिक ने नई टीम के साथ पहली बार में आईपीएल ट्रॉफी उठाकर सभी लोगों को गलत साबित कर दिया।

साल 2023 में भी मानों गुजरात ने पिछले सीजन के फॉर्म को ही जारी रखा और इस सीजन भी टीम ने लीग मुकाबले से ही धमाल मचाए रखा।

आईपीएल 2023 में बना शानदार रिकॉर्ड

गौरतलब है कि इस सीजन पहला मुकाबला भी गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच ही खेला गया था। आईपीएल इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि वही दो टीमों का मुकाबला फाइनल में हो रहा है, जिसने सीजन का पहला मुकाबला खेला है। वही, गुजरात ने इस आईपीएल में एक शानदार रिकॉर्ड बनाया है। दरअसल, साल 2022 में गुजरात टीम ने आईपीएल में इंट्री मारी और शुरुआती 2 सालों में यह दूसरी बार फाइनल खेलने जा रही है। अभी तक यह कारनामा किसी टीम ने नहीं किया है। गुजरात के पास एक सुनहरा मौका है कि वो मुंबई और चेन्नई के बाद तीसरी टीम बन जाए जिन्होंने आईपीएल ट्रॉफी डिफेंड की हो। इससे पहले चेन्नई ने साल 2010 और 2011 में लगातार ट्रॉफी जीता था। वहीं, मुंबई ने साल 2019 और साल 2020 में यह कारनामा किया था।

कोका कोला पीकर बच्चों को आ रही उल्टी-दस्त

कंपनी के खिलाफ लोगों ने की शिकायत, मैनेजमेंट ने झाड़ा पल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गर्मियां आते ही कोल्ड ड्रिंक की बिक्री और उन्हें पीने वालों की संख्या काफी बढ़ जाती है। पर अगर ये ड्रिंक्स आपके स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने लगे तब क्या होगा जाहिर है आप इससे दूर हो जाएंगे। यहां तक तो ठीक मगर आपको पता चले कि आपका सबसे पसंदीदा पेय ही आपके बच्चों को बीमार कर रहा है तो आप डर जाएंगे। ऐसा ही हुआ कोका कोला कंपनी की कोल्ड ड्रिंक्स के साथ। मामला कोका कोला को पीते ही उल्टियां करने की शिकायतों का है। देश के कई हिस्सों से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि बच्चे कोका कोला पीकर बीमार पड़ रहे हैं।

कहीं-कहीं शिकायत हुई तो जांच भी हुई, जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कोलड्रिंक्स में जिन पदार्थों की मात्रा का मानक निर्धारित है वे अधिक मात्रा में मिलाए गए थे। वे खतरनाक होतें है आप समझ सकते हैं कोल्ड ड्रिंक नहीं बल्कि जहर पी रहे हैं। ऐसा कई बार हुआ कि कोका कोला की ड्रिंक में कभी मरी छिपकली, तो कभी कोई अन्य जीव या कुछ ऐसा पदार्थ निकला है जो जहरीला था। उस कोल्ड ड्रिंक को पीने के बाद बच्चे बीमार पड़ गए और उन्हें उल्टियां आने लगीं, लेकिन कई दफा ऐसी शिकायतें आने के बाद भी कोका कोला ने अपनी कमियों पर ध्यान नहीं दिया... और कोल्ड ड्रिंक के नाम पर न जाने क्या क्या पिलाकर हमारी-आपकी जिंदगी से लगातार खतरे में डाला दिया।

सोशन मीडिया पर भी लोगों ने उठाया मामला

पिछले कुछ दिनों से ट्विटर समेत पूरे सोशल मीडिया पर कोका कोला को काफी ट्रोल किया जा रहा था, और इससे बचने की सलाह दी जा रही थी... ट्विटर पर #WakeUpCocaCola भी ट्रेंड किया था।

बाटलर के खिलाफ एसपी से शिकायत

इस मामले को लेकर अधिवक्ता शांतनु देवांश ने उन्नाव के एसपी को एक पत्र भी लिखा था। जिसमें उन्होंने उन्नाव के मखदूमपुर में स्थित बॉटलिंग प्लांट के मालिक लधानी ग्रुप, वृंदावन बॉटलर्स और उसके डायरेक्टर व प्रमोटर और कोका कोला इंडिया के प्रेसीडेंट और सीईओ संकेत रे और वाइस प्रेसीडेंट संदीप बजोरिया पर अपने ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी करने, खराब और हानिकारक पेय पदार्थ बनाने और इस मामले में कोका कोला कंपनी द्वारा भी कोई ध्यान न दिए जाने पर इन सबके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही किए जाने की अपील की।

उन्नाव की बॉटलिंग प्लांट पर लगा आरोप

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मखदूमपुर में कोका कोला के स्वामित्व वाला एक बॉटलिंग प्लांट पर आरोप लगा है, अब इस प्लांट को लेकर ही कई लोगों ने शिकायत की है और ट्वीटर व पूरे सोशल मीडिया पर भी इसके विरुद्ध अभियान चलाया है। दरअसल, वहां के स्थानीय निवासी और आस पास के लोगों का ये कहना है कि इस प्लांट में कोको कोला द्वारा लोगों की सेहत से खेला जा रहा है, लोगों का कहना है कि यहां पर कंपनी द्वारा ड्रिंक में गलत और हानिकारक पदार्थों को मिलाया जा रहा है, लोगों का कहना है कि यहां पर अतिरिक्त मुनाफा कमाने के लिए बॉटलिंग प्लांट्स में कई ऐसे गलत व हानिकारक पदार्थ मिलाए जा रहे हैं जिससे लोगों की जिंदगी को खतरा हो सकता है। वहीं इस प्लांट के यहां पर स्थित होने से और हानिकारक व प्रदूषित तत्व फैलने से आस-पास की सोसाइटी और पर्यावरण को भी खतरा हो सकता है। ट्विटर पर #WakeUpCocaCola को ट्रेंड करके लोगों द्वारा कोका कोला से इस पर ध्यान देने को कहा गया और इस प्लांट और इसके मालिक के खिलाफ कार्यवाही करने को भी कहा गया,ये हाल एक जगह का नहीं है बल्कि पूरी कोका कोला कंपनी का है। जो लोगों की जिंदगी के साथ खेल रही है, यानी कि जिस कोका कोला को लोग पूरे विश्वास के साथ पीते हैं। कोका कोला अपने ग्राहकों को धोखा दे रहा है।

बॉटलिंग प्लांट में उत्पादन को अस्थाई रूप से किया बंद

इस बीच एक ओर जब पूरे देश में कोका कोला को लेकर विरोध किया जा रहा, और उस पर कार्यवाही की बात कही जा रही थी इस बीच कोका कोला कंपनी ने उन्नाव में स्थित अपने बॉटलिंग प्लांट में उत्पादन को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। हालांकि, इसके पीछे भी कंपनी ने कोई और वजह बताई और अपने मिलावट करने और लोगों को हानिकारक पदार्थ मिलाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाने की बात से इनकार किया। कंपनी ने स्पष्ट किया कि प्राप्त जानकारी कोका-कोला ब्रांड से संबंधित नहीं थी और बॉटलिंग प्लांट का स्वामित्व और संचालन एसएलएमजी बेवरेजेज द्वारा किया जाता था, जो एक स्वतंत्र फ्रेंचाइजी बॉटलर है। कोका-कोला ने अपने प्लांट को बंद करने के बाद अपनी सफाई में कहा कि उसने बॉटलर से सुविधा में उत्पादन बंद करने का अनुरोध किया, जबकि भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में व्यापक परीक्षण किया गया था। कंपनी ने सुनिश्चित किया कि स्वास्थ्य या सुरक्षा संबंधी कोई चिंता नहीं है और अपने मानकों के अनुपालन को सत्यापित करने के लिए सभी संयंत्र प्रक्रियाओं की समीक्षा की, रिपोर्ट पर प्रकाश डाला गया।

गुणवत्ता का रखते हैं पूरा ध्यान : एसएलएमजी समूह

"वहीं मामले के तूल पकड़ने के बाद एसएलएमजी समूह के अध्यक्ष एसएन लधानी ने पुष्टि की कि कंपनी कोका-कोला-प्रमाणित और अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं से विशेष रूप से सभी सामग्री प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि कोका-कोला ने मार्केट ऑडिट और कंज्यूमर हेल्पलाइन के माध्यम से मार्केटप्लेस में उत्पाद की गुणवत्ता की निगरानी के लिए कठोर प्रणाली लागू की है, जिससे पेय उत्पादन में अनधिकृत और गैर-अनुमोदित सामग्री के उपयोग की अत्यधिक संभावना नहीं है।

यूपी की महिला आयोग की पूर्व सदस्य ने शेयर किया वीडियो

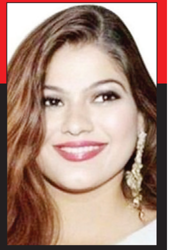

"हाल ही में समाजवादी पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता, यूपी के महिला आयोग की पूर्व सदस्य और पत्रकार रोली तिवारी मिश्रा ने भी ट्विटर पर कुछ फोटोज और वीडियोज शेयर कर कोका कोला पर हमला बोलते हुए लिखा था कि क्या आप हमें ज़हर बेच रहे हैं ? मेरी बेटी उल्टियाँ कर रही है, आज मेरी बेटी ने जब कोका कोला पिया तो उसके गले में कुछ अटका, दूसरी बार में उसने पिया तो वाशबेसिन में उल्टी की तो कुछ अजीब सा निकाला, बोतल छानने पर ये अजीब सी चीज निकली है, ये कोक मैंने रिलायंस स्मार्ट बाज़ार से ली है.. क्या ये छिपकली या किस छोटे जीव की खाल है ?

चंद्रशेखर राव से मिले अरविंद केजरीवाल

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटा रहे दिल्ली के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज (27 मई) को तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव से हैदराबाद में मुलाकात की। केजरीवाल के साथ आम आदमी नीत पार्टी के पंजाब सरकार के सीएम भगवंत मान और दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी भी थीं। उन्होंने सीएम आवास प्रगति भवन में उनसे मुलाकात की।

सीएम अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का विरोध करने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का समर्थन मांगने के लिए पहुंची हुई है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए गैर-बीजेपी शासित दलों के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि इस बारे में संसद में विधेयक लाए जाने पर केंद्र सरकार की कोशिश विफल हो जाए. केजरीवाल ने शुक्रवार को ट्वीट किया था, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ बीजेपी नीत सरकार असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक अध्यादेश लेकर आई है।

मिड डे मील में मिला सांप,100 से अधिक बच्चों ने खाया खाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अररिया। बिहार के अररिया जिले में बच्चों के मध्याह्न भोजन में सांप मिलने के बाद हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि 100 से अधिक बच्चे खाना खा चुके थे। मामला जोगबनी नगर परिषद के अमौना माध्यमिक विद्यालय का है।

मिड डे मील में सांप मिलने की जानकारी मिलते ही स्कूल में हंगामा मच गया। सैंकड़ों की संख्या में बच्चों के परिजन स्कूल पहुंच गए। आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल फोरबिशगंज में भर्ती कराया गया है।

स्कूल प्रबंधन से लोग नाराज

बताया जा रहा है कि एनजीओ के द्वारा स्कूल के बच्चों को खाना परोसा गया था। घटनास्थल पर एसडीओ और डीएसपी आ चुके हैं। वहीं, लोगों की काफी भीड़ जुट गई है। बच्चों के खाने में स्कूल प्रबंधन पर घोर लापरवाही से परिजनों में आक्रोश है।

एगरा ब्लास्ट पीड़ितों से ममता ने मांगी माफी, दी होमगार्ड की नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के खादिकुल गांव का दौरा किया। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के 11 दिन बाद 12 लोगों की मौत हो गयी थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एगरा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में मृतकों के परिजनों को 2.5 लाख रुपए की सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को होमगार्ड की नौकरी दी जाएगी। इसका नियुक्ति पत्र में साथ लेकर आई हूं। उन्होंने लोगों से माफी भी मांगी।

इसके साथ ही बिजली गिरने से हुई मौत पर मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। राज्य के मुख्य सचिव एच के द्विवेदी के साथ बनर्जी का विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों से मिलीं। घायलों को एक लाख रुपये का मुआवजा चेक सौंपने की संभावना है।

9 लोग हुए हैं गिरफ्तार

विस्फोट में कथित संलिप्तता के लिए अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी की तीन दिन बाद ओडिशा के कटक के एक अस्पताल में मौत हो गई, जहां से वह घटना के तुरंत बाद अपने परिवार के साथ भाग गया।

आधुनिक तकनीक और आपकी सोच से भी बड़े आश्चर्यजनक उपकरण

चाहे टीवी खराब हो या कैमरे, गाड़ी में जीपीएस की जरूरत हो या बच्चों की और घर की सुरक्षा।

सिक्योर डॉट टेक्नो हब प्रा0लि0

संपर्क 9682222020, 9670790790

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।